

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या 1964/2030

प्रमाण-पत्र संख्या 1963/203

Handwritten signature and text in Hindi.

श्री पैसी सिद्धवान डा लि ने निम्नलिखित के भारमुक्त के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। संख्या 00310 अन्तर्गत 283

0-6490 हे का

का मेरे समक्ष सिद्धवान डा लि संख्या 00313 अन्तर्गत 288

संख्या 00313 अन्तर्गत 288

मेरे समक्ष सिद्धवान डा लि 0-9000 हे का

जैसा आवेदन-पत्र में दिशा है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोर्सों का वर्ष 2007 से 2018 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

Handwritten signature and text in Hindi.

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निम्नलिखित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वीक्षित तलाश में तथा सावधानी बरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दृष्टि में उत्तरदायी नहीं होगा।
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्रकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण-पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (डिप्टी) निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर
लखनऊ 19-11-2020

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ
भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या 1963/2094

प्रमाण-पत्र संख्या 1962/३३

[illegible]

श्री शुभिका प्रियंका जे. के. रमेश ने निम्नलिखित के भरमुक्त के समबन्ध से प्रमाण-पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन—पत्र प्रस्तुत किया।

202500348

1944

$$0.5900 \frac{1}{\text{m}} \text{ at } 20^\circ \text{C}$$

अथ अन्तर्गत प्रमाण संकेत उत्तर देवता व विष्णु व ब्रह्मा

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्वॉयसों का वर्ष 2007 से 2018 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

transmission of the virus to the host

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलारा प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा बंछित तलारा में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी छुट्टि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्रकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाणित
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

सय निवन्धक (द्वितीय)

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर

19-11-22

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ
भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या 1962/220

प्रमाण-पत्र संख्या 1961/203

श्री. राजेंद्र प्रसाद ने निम्नलिखित में भाष्य के अन्तर्गत में प्रमाण-पत्र देवु मेरे सम्मक्ष आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। १००५३ २०११

हेतु मेरे समक्ष आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। 200042 200042 200042

0.0580 g $\frac{1}{\text{mole}}$

गंगा नदी में जलमयिका का प्रवाह बहाव संकेतना प्रमाण तहजीब नदी

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष 2007 से 2012 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भाग पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	वावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा चर्चित तलाश में तथा सावधानी वस्ती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्रकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

संलग्न करने वाले व प्रमाण-पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण **एक**
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

निर्वाह अधिकारी के हस्ताक्षर
19-11-2020

उप निष्ठागत (द्वितीय) निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर
19-11-2020

भार मुक्त प्रमाण - पत्र

1919 1920 1921 1922 1923 1924 1925 1926 1927 1928 1929 1930 1931 1932 1933 1934 1935 1936 1937 1938 1939 1940 1941 1942 1943 1944 1945 1946 1947 1948 1949 1950 1951 1952 1953 1954 1955 1956 1957 1958 1959 1960 1961 1962 1963 1964 1965 1966 1967 1968 1969 1970 1971 1972 1973 1974 1975 1976 1977 1978 1979 1980 1981 1982 1983 1984 1985 1986 1987 1988 1989 1990 1991 1992 1993 1994 1995 1996 1997 1998 1999 2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 23

$\frac{0.0970}{\text{mole}} \times 100 = 9.70\%$

वर्ष 2007 से 2018

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर
19-11-2020

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या 1959/300

प्रमाण-पत्र संख्या 1958/88

प्रमाणित (प्रमाणित) प्रमाणित

श्री परमिन्दु मल्ल सिंह जी निम्नलिखित के भारमुक्त के निबन्ध में प्रमाण-पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। 25/11/07 25/11/07

उक्त भाग मेरे सम्पत्ति का हिस्सा है। 0.0910 हे. का

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष 2007 से 2018 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

उपलब्ध नहीं है।

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निम्नलिखित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वॉंछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यापधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्रकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (डिप्टी) निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर
19-11-07

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या 1952/990

प्रमाण-पत्र संख्या 1957/99

प्रमाणित किया गया है कि निम्नलिखित के भारमुक्त के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र

श्री प्रियंका सिंह के निम्नलिखित के भारमुक्त के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया।

साता नं० 00306 रजिस्ट्रार सं० 216 0-1000 हेतु का प्रमाण-पत्र

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष 2007 से 2018 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यंकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	---	------------------	-----------------	-------------------------------

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वैधित तलाश में तथा सावधानी करती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्रकार के स्वागित्वा का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर 18-11-2020 लखनऊ

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या 1957/3030

प्रमाण-पत्र संख्या 1956/33

इ. उ. निबन्धक प्रार्थना के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र

श्री. जैसा निबन्धक प्रार्थना के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र

हेतु मेरे सम्बन्ध आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया।

25/11/00 332 2/11/00 390

वर्ष 2007 से 2018 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष 2007 से 2018 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

इ. उ. निबन्धक प्रार्थना के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निम्नलिखित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वॉंछित तलाश में तथा सावधानी बरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अव्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्रकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (द्वितीय) लखनऊ निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर 18-11-2020

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ
भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या... 1956/999

प्रमाण-पत्र संख्या..... 1955 P-2

श्री शिवदत्त विठ्ठल शालि ने निम्नलिखित भारमुक्त के संरक्षण में प्रमाण-पत्र

हेतु मेरे समाप्त आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया।

29/11/16 00365 29/11/16 00365 29/11/16 00365

$\frac{0.513}{0.4930} \approx 1.04$

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे पञ्चाशत्तमोऽध्यायः ॥

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्फोर्मेटों का वर्ष 2007 से 2012 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

नोट— 1. प्रमाण-पत्र में दखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में की गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा बौध्दिक तलाश में तथा सावधानी बरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारतभूक्त प्रमाण-पत्र किसी प्रकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (द्वितीय)

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर
18-11-2020

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या 1954/2020

प्रमाण-पत्र संख्या 1953/2020

उप निबन्धक (द्वितीय) लखनऊ

श्री हैमलेश सिन्हा द्वारा निम्नलिखित के भारमुक्त के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र
 हेतु मेरे सम्बन्ध आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। उत्तर-00168 शताब्दी 891
0-6610 है दाखल
जिस से मेरे सम्बन्धित निम्नलिखित भारमुक्त प्रमाण-पत्र
प्रमाण-पत्र

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष 2007 से 2020/18 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

उप निबन्धक (द्वितीय) लखनऊ

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निम्नलिखित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वीक्षित तलाश में तथा साक्ष्यानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यापक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्रकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र
 तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण
 का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (द्वितीय)
 लखनऊ

उप निबन्धक (द्वितीय)

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर
 18-11-2020

भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रमाण-पत्र संख्या 1954 P-3

७५५

हेतु मेरे समक्ष आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया।

२०११ ००११ २०११ २०११ २०११

0.5380

मैं एतद द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोवर्सों का वर्ष 2007 से 2018 तक तालाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

Ammonia and Hydrogen

- तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाणित
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

प्राप्त निदेशिका (द्वितीय)

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर

18-11-22

अनंदा नंदगा १९०१/०२ ए० २०३

મહત્તમ સંખ્યા : 1000000

श्री. श्रीमती अम्बिका देवी गणेश कृष्ण शंकराचार्य महाराज सहायसिंहगढ़ जिला मन्थल में जित्त-विहित सम्पत्ति में एक निश्चित पत्र में दर्शाया गया है।

[illegible]

मैं संततोषाणं प्रमाणित करता हूँ कि ईश्वर नाम का पुत्र राजेश शिवराज सिंह अर्थात् श्री गुरुदेव दिनांक 09/12/2009 से दिनांक 13/12/2028 तक अपने सम्पूर्ण जीवन में श्री गुरुदेव को निष्ठापूर्वक भक्त बने रहे।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

2.13. 2013 -:

[illegible]

श्रीगणेशाय नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीसत्त्वैर्वाच्यं शिवं ।

सिंहगढ १२२६ उज्जैन निबन्धनादि विष्णुः नमस्तराम गृप्ता निबन्धन विविधा

अपतिबन्धक स्वराजनीनगर
बलनर

नोट-कार्यालय उपनिबन्धक क्षरोजगोन्मए लखनऊ दिनांक 12-07-2018 से क्रियाशील है इससे पूरे के भरमुक्त सम्बन्धित कार्यालय से प्राप्त करते का कष्ट करे।

NIRMAL SINGH Digitally signed
by NIRMAL SINGH
Date: 2020.11.19
11:53:40+05'30'

Digitally signed
by NIRMAL SINGH
Date: 2020.11.19
12:45:14 +05'30'

कार्यालय उपनिबंधक

सरोजनीनगर

सरोजजीनगर

जनपद

2262

आवृत्ति संख्या २२ ०१.००.१९८९

जन्माण महिना १३०८-११-६३

भारत संस्कृत पत्रिका-५३

हरिजन नैज्यअल के नियम 328.

प्री. शीरोडा: जनन गु. शि. कृष्ण प्रयोजन नक्षत्र सतीतीनीकर जिम ब्रह्मच ने निम्नलिखित मन्त्रादि से तपश्चरित करने द्वारा
प्राप्त कर भूति पावण २५ त्तु पावन २५ वस्तु विद्या

समर्थित का नाम मांछण्डा लक्ष्मीबाई आई एन एस एलएसएड १९७० सीक नाम प्रमाणीत था जि। जनेश्वर रावरा पुत्र राम कृष्ण भंडारकर , बसंत
पौजः सा . २४ १८३५ बसंत १९६५ १०४८ ई०.

A. एन.एल.टी.आर प्रमाणित कला हर्जनाई स (२) तारा असो अन्वयित म्वां ३५ ते को न्यास दिताः ०१/११/२००६ या

दिनांक 15/11/2020 तक जहाँ लम्बित के सम्बन्ध में कोई भी प्रमुख दिशानिर्देश प्राप्त नहीं हुआ

कोई भूल नहीं पाया गया

² 2014 年 11 月 20 日。

[illegible][illegible]

१. यह प्रश्नोत्तर किताब नवीन पाठ्यक्रम के अनुरूप नहीं है।

तल्लिपिकु ई एतं पञ्चशतं वर्षेभ्यो तत्रैव लिखितं विद्यते। मस्तुतमं कृत्वा प्रिद्वन्द्यत लिपिकः।

शिवान्न भक्ष्ये जायतेऽन्धता विनाशः कस्तुराभिः गन्धः निबन्धनः तिलिकः

नोट-क्यालर उच्चबिन्दक सरोजनीनगर राखत ३ दिनांक

12-01-2018 से क्रियाशील है इससे पूर्व के आरम्भकत सम्बन्धित

॥:यांतून से प्राप्त करणे का प्रयत्न करें।

उपनिबन्धक: लरोजनीनगर
लखनऊ

NIRMAL
SINGH

Digitally signed by ANIKMAI SINGH
Date: 2020.11.19
12:36:47 +05'30'

आर्सेनिक हायड्रा ११०, २५ + ७५ = १३५

2023年12月21日

श्री आशु बाजपेई पु. ३. डॉ. आर. सी. बाजपेई महाराज सरस्वतीनगर तिमन बाजपेई से विनम्र निवेदन, सम्बन्धित श्री आशु बाजपेई महाराज पर १२.११.१९७७

संपत्ति का नाम और स्थान : आ.प.स. नरसिंहाचार्य, गुरुकुल पोस्टबक्स नं. १६६, अहमदाबाद, गुजरात।
 पुत्रों का नाम और पता : अरुण स. २६६, गुरुकुल पोस्टबक्स नं. १६६, अहमदाबाद, गुजरात।

[illegible]

¹कर्मद्वं कर्मर भवति यच्छा नवा।

निर्देश :- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक वाक्य में लिखना आवश्यक है। प्रश्न :- निम्न दिए गए संकेतों के अर्थों को समझ कर प्रत्येक वाक्य में दिए गए संकेतों को उचित अर्थ में बदलकर वाक्य को पूरा करें।
 1. 'अर्थ' शब्द का अर्थ है कि वह शब्द का वाक्य में प्रयोग करने से जो अर्थ निकलता है, उसे ही वाक्य का अर्थ कहते हैं।
 2. 'अर्थ' शब्द का अर्थ है कि वह शब्द का वाक्य में प्रयोग करने से जो अर्थ निकलता है, उसे ही वाक्य का अर्थ कहते हैं।
 3. 'अर्थ' शब्द का अर्थ है कि वह शब्द का वाक्य में प्रयोग करने से जो अर्थ निकलता है, उसे ही वाक्य का अर्थ कहते हैं।
 4. 'अर्थ' शब्द का अर्थ है कि वह शब्द का वाक्य में प्रयोग करने से जो अर्थ निकलता है, उसे ही वाक्य का अर्थ कहते हैं।
 5. 'अर्थ' शब्द का अर्थ है कि वह शब्द का वाक्य में प्रयोग करने से जो अर्थ निकलता है, उसे ही वाक्य का अर्थ कहते हैं।
 6. 'अर्थ' शब्द का अर्थ है कि वह शब्द का वाक्य में प्रयोग करने से जो अर्थ निकलता है, उसे ही वाक्य का अर्थ कहते हैं।
 7. 'अर्थ' शब्द का अर्थ है कि वह शब्द का वाक्य में प्रयोग करने से जो अर्थ निकलता है, उसे ही वाक्य का अर्थ कहते हैं।
 8. 'अर्थ' शब्द का अर्थ है कि वह शब्द का वाक्य में प्रयोग करने से जो अर्थ निकलता है, उसे ही वाक्य का अर्थ कहते हैं।
 9. 'अर्थ' शब्द का अर्थ है कि वह शब्द का वाक्य में प्रयोग करने से जो अर्थ निकलता है, उसे ही वाक्य का अर्थ कहते हैं।
 10. 'अर्थ' शब्द का अर्थ है कि वह शब्द का वाक्य में प्रयोग करने से जो अर्थ निकलता है, उसे ही वाक्य का अर्थ कहते हैं।

तत्रावर्ण्यं च प्रत्ययान्तरं कर्तुं विनियतं लिपिकं नस्तरान् गुप्ता निबन्धनं लिपिकः।
 विनियमः (१) (२) विनियमः (३) नस्तरान् गुप्ता निबन्धनं लिपिकः।

उपनिबन्धकः सरोजनीनरः
मथुरा

NIRMAL SINGH Digitally signed by
NIRMAL SINGH
Date: 2020.11.19
17:38:18 +05'30'

NIRMAL SINGH Digitally signed by NIRMAL SINGH
Date: 2020.11.19
13:29:46 +05'30'

[illegible]

जनसंख्या १८,०००

०१. अधिकांश पत्रकार, सुरक्षित क्षेत्रों में तदर्थक कार्यरत रहते हैं। वे विभिन्न विधित्त मंत्रालयों के सम्बन्धित पत्रकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर पत्रकारिता किया है।

संज्ञक: नाम मोहितक - सनमडां, पाई मरुतन, अकालप अकालीन, पैली विजिज्जान ए वि ह्याता अविज्जान हेता अविज्जेश बसाट, साभस विपान. सनमडां बसाट सा. 2003 ले अकाल 10/1/2004 ई व एसाट सा. 1988 संवत्सरा 2009 ई.

मैं शाहीद जवाहर लाल नेहरू स्मृति इलेक्ट्रॉनिक फंड में 5000 रुपये का दान करने की घोषणा करता हूँ।
दिनांक: 23/11/2028 तक यातायात के व्यवस्थापन के लिए निम्नलिखित निधि का उपयोग होगा।

ਸਾਂਝੇ ਸਮੇਂ ਨਹੀਂ ਬਾਹਰ ਨਿਕਲਣਾ

٢٢٢

नोट :- इन पत्रों पर यदि साक्षात्कार के अंतर्गत शिव का अभिप्रेत है कि प्रत्यक्ष रूप से न। यदि निमित्तमूलक वस्तु है तो इसे भी भविष्य में देखें।

[illegible]

१. चरितं त्वया शक्यते तुल्यं लघुवर्णनं कृतं त्वया च त्वया शक्यते तुल्यं लघुवर्णनं कृतं त्वया च त्वया शक्यते तुल्यं लघुवर्णनं कृतं त्वया च

[illegible]

५. अथ यज्ञाचार्य इति नाम्ना - अथवा नात्मापराजिह्वी ।

नवागारों पर उत्तर परबन्धों द्वारा निबन्धन विधि, मस्तक पर बन्धना निबन्धन विधि।

मिशनर जे. ए. डी. मिशनर साधक, मसुरामे श्रुता निवृत्त शांति

नोट-कार्यालय उपनिबंधक सरोजनीनगर लखनऊ दिनांक
12-07-2018 से क्रियाशील है इससे पूर्व के आरमुक्त सम्बन्धित
कार्यालय से प्राप्त करों का कष्ट करें।

NIRMAL SINGH Digitally signed by NIRMAL SINGH
Date: 2020.11.19 13:31:13 +05'30'

कार्यालय उपनिबंधक सरोजनीनगर सरोजनीनगर जनपद लखनऊ

भाषा: संस्कृत 2-1, 2-2, 2-3, 2-4 (2)

[illegible]

भार मुक्त प्रमाण-पत्र
राजि. सैन्यअल के नियम १०४

श्री. प्रमोदराज पण्ट पु. श्री. प्रमोद गहनीत शरीरकर्मज्ञ. निज. सचिव. श्री. प्रमोदराज पण्ट श्री. प्रमोद गहनीत शरीरकर्मज्ञ. निज. सचिव. श्री. प्रमोदराज पण्ट श्री. प्रमोद गहनीत शरीरकर्मज्ञ. निज. सचिव.

सम्पादन के विवरण: राजा महाराज - स्वच्छता, गांधी परियोजना, आशासीमा, वैदेशी विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, जलियाँ प्रसाद, खसरा 800 - 500।
अन्यथा सम्पादन अवधि 48 घंटा है।

मे संततः प्रमाणित करता हूँ कि इनके न. 12 तथा उत्तर समन्वित मृष्टे पत्रों को तलाश दितक 01/01/2000 से दितक 13/11/2002 तक एक ही स्थिति में था। मेरी पत्नी जितनी दिग्गजों के साथ साथ

•जाते हुए नहीं पाया गया।

2005 10 17 11:00

नोट - 1. इस प्रश्नानुसार, सम्बन्धित विधायक आशंकित प्रश्न पूछे गए वर्षों में से वर्षों में हुए हैं। यदि अभिलेखित वर्षों में प्रत्यक्ष को प्रत्यक्ष प्रश्न प्रश्नानुसार वर्षों में प्रत्यक्ष प्रश्न पूछे गए हैं तो प्रश्नानुसार वर्षों में प्रत्यक्ष प्रश्न पूछे गए हैं।

आंकलन, अन्वय २४४२ सम्पादन समिती के श्रेष्ठ विचार । श्री वि. अ. ५४४२५३ के अन्तिम भाग के लिए उत्तर देने की आज्ञा ।

...इस प्रकार यह भी कि नैपुण्य में मध्यमिनी दृष्ट्या अभिन्न नहीं है जो परमपुनः दृष्ट है परन्तु निम्न १३० की ललाट गङ्गा संदिग्ध अभिन्न नहीं है।

1. उत्तराखण्ड गवर्नर के पद का पदभार क्या है ?

सं. २२७-६६ एन पी० एच० एन० कातावा इन्फे संज्जन्तुः त्रिषिक्क. मस्तुसाम्म गम्मा निवन्थन त्रिषिक्क।

विश्वनाथ गणेश उपाध्याय महोदय, अस्तित्ववाद गणेशादि विद्वत्सम विवेक।

नोट-कार्यालय उपलिब्धक भरोलजीनगर लखनऊ दिनांक
17.07.2018 से क्रियाशील है इससे पूर्व के भारमुक्त राखबन्धित
कार्यालय से प्राप्त करने का कष्ट करें।

उपनिबन्धक सरीजनोत्तर
नखनऊ

NIRMAL SINGH Digitally signed by NIRMAL SINGH
Date: 2023.11.19 13:32:57 +05'30'

31st Dec 2020 17:00:00

स्नातक प्रारंभ : 2020/02/28

[illegible]

सन्निधि-१४ साम लोहलगा, सरमसां, गउं गरगजा, मसनऊ, श्रीशालीक, ईमनेट विन-वधम पा र्ति त्वारा अकिचुत कृत्ताभरी गोपेन गुमार बंसअ
विषया स्त्री) ४मकुण अगतार खरवा हा। २०८ सत्तामा जसनऊ शोधका ॥६॥३॥

श्री एतद्व्याप्त्यर्थं प्रमाणित करता हूँ कि उद्देश्य संख्या १२३४ इससे सम्बन्धित सभी कार्यों की समाप्ति दिनांक ३१/०३/२००९ में दिनांक १३/११/२०१० तक उष्ण समीक्षा के सम्बन्ध में की गई किसी भी ग्राहक शिकायत काट गये हैं।

ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਜਾਂਚੀ ਗਈ ਗਈ

2.1.1. $\mathcal{A} = \mathcal{A}_1 \times \mathcal{A}_2 \times \dots$

नोट - १. इस प्रश्न का उत्तर निम्नलिखित अनुसार देना आवश्यक है। इस प्रश्न का उत्तर देते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।
 २. इस प्रश्न का उत्तर देते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।
 ३. इस प्रश्न का उत्तर देते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।
 ४. इस प्रश्न का उत्तर देते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।
 ५. इस प्रश्न का उत्तर देते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।
 ६. इस प्रश्न का उत्तर देते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।
 ७. इस प्रश्न का उत्तर देते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।
 ८. इस प्रश्न का उत्तर देते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।
 ९. इस प्रश्न का उत्तर देते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।
 १०. इस प्रश्न का उत्तर देते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

अथ भक्त्यै एव नैतद्यथाय उक्तम् वान निबन्धनाय लिखितम् संस्तराम गृप्ता निबन्धन लिपिका

तैत्तिरीयसंहितायां ब्रह्मसूत्रेण प्रथितं तद्व्याख्यानं ।

उपनिबन्धक सरोजनीनगर
सप्तमः

नोट-कार्यालय उपनिबंधक सरोजनीनगर लखनऊ जिलाक
12-07-2018 से क्रियाशील है इससे पूर्व के भारभुक्त सम्बन्धित
कार्यालयसे प्राप्त करने का कष्ट करें.

NIRMAL SINGH Digitally signed by NIRMAL SINGH
Date: 2020.11.19 13:35:58 +05'30'